जुएल ओराम
JUAL ORAM

सत्यमेव जयते

मंत्री
जनजातीय कार्य मंत्रालय
भारत सरकार
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001
MINISTER OF TRIBAL AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA
SHASTRI BHAWAN, NEW DELHI-110001

संदेश

एक स्वाधीन एवं संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र का अपना एक अस्तित्व होता है, जिसके आधार पर वह विश्व में अपना स्थान बनाकर अपनी भूमिका सुनिश्चित करता है। भारत जैसे विशाल देश में भौगोलिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विविधताओं के बीच जहां अनेक भाषाएं, बोलियां हैं, वहां राजनीतिक, भौगोलिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और भाषायी विविधताओं को सूत्रबद्ध करने की व्यवस्था बिना राजभाषा के संभव नहीं है। हिंदी में भारतीयता की सभी विशेषताएं, परम्पराएं और मान्यताएं निहित हैं तथा यह भारतीय सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं को अभिव्यक्त करने में सक्षम है।

हिंदी प्राचीनकाल से न केवल समझी और बोली जाती रही है, अपितु भारतवर्ष के विभिन्न भाषा–भाषियों के बीच संपर्क सेतु का भी कार्य करती रही है। हिंदी ने सभी भारतीय भाषाओं के बीच समरसता एवं एकरूपता को कायम रखा है। हिंदी की व्यापकता का इससे भी पता लगता है कि प्राचीन समय में विदेशों से वाणिज्य एवं व्यापार में भी हिंदी का प्रयोग किया जाता था। देश में हिंदी की लोकप्रियता, व्यापकता, इसकी सरलता, इसकी लिपि की सुबोधता और इसकी वैज्ञानिकता को ध्यान में रखते हुए संविधान सभा ने बहुमत के साथ 14 सितम्बर, 1949 को "हिंदी भाषा" को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया। इसी अनुक्रम में 26 जनवरी, 1950 को लागू भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार यह व्यवस्था की गई कि संघ की राजभाषा "हिंदी" होगी, जिसकी लिपि देवनागरी होगी।

आज की उदारीकृत अर्थव्यवस्था के युग में देश को अशिक्षा, बेरोजगारी और गरीबी से उबारने के लिए आम जनता को सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संरक्षण, कृषि, अभियांत्रिकी और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे अनेक क्षेत्रों में राजभाषा हिंदी के माध्यम से शिक्षित करने की नितांत आवश्यकता है। राजभाषा हिंदी के माध्यम से स्वदेशी विज्ञान की समृद्ध परंपरा को जन–जन तक पहुंचाया जा सकता है। हिंदी सरल, सुबोध और सर्वाधिक बोली एवं समझी जाने वाली भाषा है। हिंदी में सरकारी कामकाज करना मौलिकता से परिपूर्ण होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी को सरलतम रूप में अपनाकर राजकीय कामकाज में अधिक से अधिक इसका प्रयोग किया जाए ताकि सरकारी योजनाएं जन साधारण की समझ में आ सकें और वे अधिक से अधिक इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

मैं जनजातीय कार्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से अनुरोध करता हूँ कि वे अपने दैनिक और सरकारी कामकाज में मूलरूप से हिंदी का प्रयोग करें ताकि मंत्रालय के अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को भी अपना कार्य हिंदी में करने की प्रेरणा मिल सके।

हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर यह दृढ़ संकल्प लें कि हम राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार हेतु सकारात्मक, सामूहिक एवं सार्थक प्रयास करेंगे जिससे भारत सरकार के मिशन "स्थानीय के लिए मुखर" को बढ़ावा मिलने के साथ–साथ आम जनता एवं सरकार के मध्य संवाद स्थापित होने से हमारे अति पिछड़े जनजातीय भाइयों एवं बहनों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आयेगा।

इसी आशा और विश्वास के साथ हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर जनजातीय कार्य मंत्रालय में कार्यरत सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं!

जय हिंद!

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2024

जुएल ओराम
(जुएल ओराम)

751, A Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001. Tel. : 011-23381499, 23388482, 23070577 (Fax)
E-mail : oram.jual@gmail.com, jualoram@hotmail.com, jualoram@sansad.nic.in